



T

18 Jul 2001

05:35 PM

Lalitpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121475402

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 18/07/2001  
दिन \_\_\_\_\_: बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 17:35:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 29:52:39 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Lalitpur  
राज्य \_\_\_\_\_: Uttar Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 24:42:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 78:24:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:16:24 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 17:18:36 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:06:12 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 13:04:05 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:37:56 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:06:57 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:29:01 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 02:03:11 कर्क  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 10:18:05 धनु

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: धनु - गुरु  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मिथुन - बुध  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मृगशिरा - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: मंगल  
योग \_\_\_\_\_: ध्रुव  
करण \_\_\_\_\_: गर  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: सर्प  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: शूद्र  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मार्जार  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: वायु  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: का-कमला  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कर्क

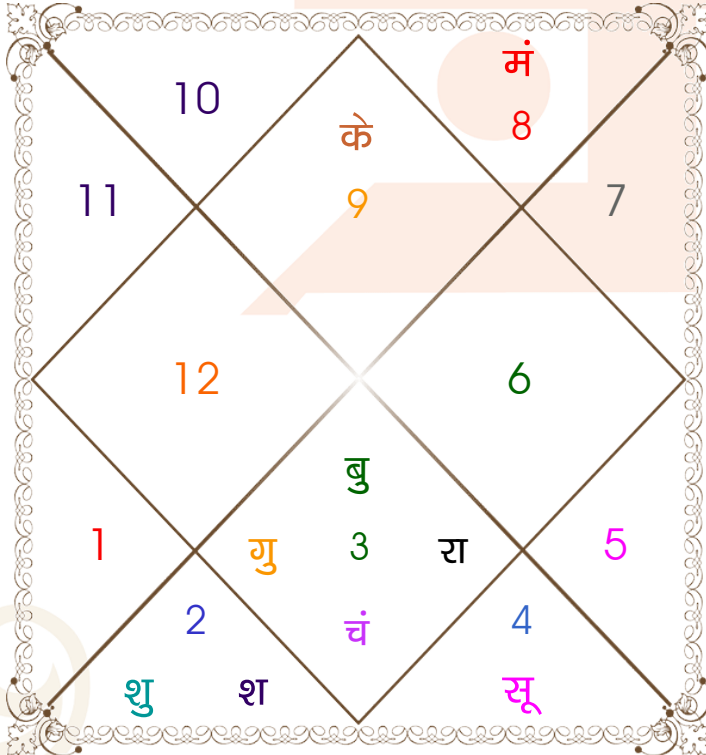
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:18:05	337:13:05	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			कर्क	02:03:11	00:57:17	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	00:14:11	14:15:52	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
मंगल	व		वृश्चि	21:14:56	00:01:14	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध			मिथु	13:45:02	01:33:54	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु			मिथु	07:20:22	00:13:08	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	20:14:42	01:07:08	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि			वृष	17:01:29	00:06:16	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:26:45	00:00:38	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	12:26:45	00:00:38	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:02:50	00:02:01	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	13:49:47	00:01:35	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:00:03	00:01:04	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कन्या	23:30:00	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	मंगल	--

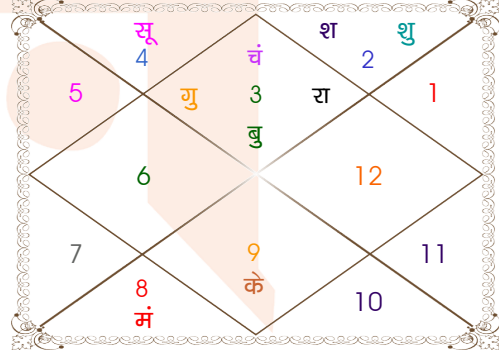
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:27

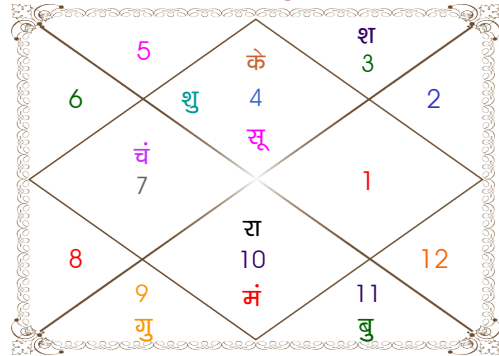
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

**भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 4 मास 15 दिन**

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
18/07/2001	02/12/2004	03/12/2022	03/12/2038	03/12/2057
02/12/2004	03/12/2022	03/12/2038	03/12/2057	03/12/2074
00/00/0000	राहु 15/08/2007	गुरु 20/01/2025	शनि 06/12/2041	बुध 30/04/2060
00/00/0000	गुरु 08/01/2010	शनि 03/08/2027	बुध 15/08/2044	केतु 27/04/2061
00/00/0000	शनि 14/11/2012	बुध 08/11/2029	केतु 24/09/2045	शुक्र 26/02/2064
18/07/2001	बुध 03/06/2015	केतु 15/10/2030	शुक्र 23/11/2048	सूर्य 02/01/2065
बुध 31/05/2002	केतु 21/06/2016	शुक्र 15/06/2033	सूर्य 05/11/2049	चंद्र 03/06/2066
केतु 27/10/2002	शुक्र 22/06/2019	सूर्य 03/04/2034	चंद्र 06/06/2051	मंगल 31/05/2067
शुक्र 27/12/2003	सूर्य 15/05/2020	चंद्र 03/08/2035	मंगल 15/07/2052	राहु 18/12/2069
सूर्य 03/05/2004	चंद्र 14/11/2021	मंगल 09/07/2036	राहु 22/05/2055	गुरु 25/03/2072
चंद्र 02/12/2004	मंगल 03/12/2022	राहु 03/12/2038	गुरु 03/12/2057	शनि 03/12/2074

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
03/12/2074	03/12/2081	04/12/2101	04/12/2107	04/12/2117
03/12/2081	04/12/2101	04/12/2107	04/12/2117	00/00/0000
केतु 01/05/2075	शुक्र 03/04/2085	सूर्य 23/03/2102	चंद्र 03/10/2108	मंगल 02/05/2118
शुक्र 30/06/2076	सूर्य 03/04/2086	चंद्र 22/09/2102	मंगल 04/05/2109	राहु 20/05/2119
सूर्य 05/11/2076	चंद्र 03/12/2087	मंगल 28/01/2103	राहु 03/11/2110	गुरु 25/04/2120
चंद्र 06/06/2077	मंगल 01/02/2089	राहु 22/12/2103	गुरु 04/03/2112	शनि 04/06/2121
मंगल 02/11/2077	राहु 02/02/2092	गुरु 10/10/2104	शनि 04/10/2113	बुध 19/07/2121
राहु 21/11/2078	गुरु 03/10/2094	शनि 22/09/2105	बुध 05/03/2115	00/00/0000
गुरु 28/10/2079	शनि 03/12/2097	बुध 29/07/2106	केतु 04/10/2115	00/00/0000
शनि 05/12/2080	बुध 03/10/2100	केतु 04/12/2106	शुक्र 04/06/2117	00/00/0000
बुध 03/12/2081	केतु 04/12/2101	शुक्र 04/12/2107	सूर्य 04/12/2117	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्ज्वल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपत्ति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएंगे। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यो के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यो के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपत्ति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

